छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर

			, , ,,							16.0
कृपया बिल	भरने	से	पूर्व	पृष्ठ	भाग	पर	अंकित	नोट	अवश्य	पढ़ें।

का न	साम् तथा ब्रांच			तो उल्लेख करें IFS निवास का प	ता				(6)
पत्र .		E-man	יייייייי טוו				नाक	रादि	
	मन्तर्भुन्धः । ए	परी	क्षा बिल - प्रायो	गिकी / मौखिकी	HI SELECTION	· property	4		पै०
.सं.	विवि. आदेश	ERIN PL	्र स् ०	40					
	सं.	अभ्यर्थी को मीखिकी /प्रायोगिक परीक्षा से सम्बन्धित पारिश्रमिक का विवरण परीक्षा केन्द्र का परीक्षा तिथि कक्षा अभ्यर्थियों दर							
,		परीक्षा केन्द्र क नाम अथवा को		ोक्षा तिथि <u>स्त्रा</u>	कक्षा	अभ्यायया की संख्या	५१		-
<u>. </u>		NEL ME TE	173) PETE	with the Same So &	willing .				_
			7.7	(i in o	0.473	57577.102			\vdash
		100 (02)	24 500 1	THEY D'	trum n	A1470,700			
		- (not ri perin	HELD DIE 11	A WITH CA	(PIPE)			+-
				name of the state	- TVTX	to be a second		: 75	\vdash
-	to while	VIIIX		1301-1		Control of the second			
0.						TRIPE N	upili		+
1.	01	.2' %			IFID	THE LEY, IF Y	1 3146	1	
2. 3.	0.	Pt B				नाउ तारा जान	(मान् ।	(1)	\perp
4.	<u> </u>	(in) . F					1 56 55		+-
5.		-						-	+
i. i. राशि ((शब्दों में)	कोष कटौती 05%		(m	व्यक्तिसम्बद्धाः व्यक्ति व्यक्ति स्थानम् स्थानम्	The following the first transfer that the first transfer transfer that the first transfer	कुल योग	1-1 1-1	
i. i. राशि (.F. र्राा ते की ट पंजि	शिक्षक कल्याण शब्दों में) श रू० जाती है। का पृष्ठ सं	कोष कदौती 05%	ौती के उपरान्त र क्रम सं० ह. सहायक/उप	ाशि ए० व्यक्तिकारी	महारूप स्थाप प्रकार प्रकार सहारूप महिन्द महारूप समिति सर अंकित है। महिन्द महारूप	ा प्राप्ति क्षा करा करा करा करा करा करा करा करा करा कर	कुल योग इ.ज.च उचित पाया	गया तथा १	किय इंट १र
i. i. राशि (.F. रार्ति ते की ट पंजि	शिक्षक कल्याण शब्दों में) श रू० जाती है। का पृष्ठ सं	कोष कदौती 05%	तीती के उपरान्त र क्रम सं० ह. सहायक/उप दिनांक	ाशि रू० व्यक्तिका प्रतिप्र सङ्घितः पु कुलसचिव (अ.ग	्रावा केंद्र स्वीत्व प्राची प्राचीत्व प्राचीत्व प्राचीत्व प्राचीत्व प्राचीत्व प्राचीत्व प्राच प्राचीत्व प्राची प्राचीत्व प्राचीत्व प्राचीत्व प्राच प प च प त प च प त प त च त च त च त च त	क्ष्म विकास कर कर के किया के किया किया किया किया किया किया किया किया	कुल योग हुन योग हुन के भुग हुन के भुग हुन के भुग हुन के नहें	गया तथा १ तान प्राप्त 1/- स. वे रसीदी टिव पर हत्व यदि राशि	किय हे हर हर हिं
i. i. राशि (.F. र्राा ते की ट पंजि	शिक्षक कल्याण शब्दों में) श रू० जाती है। का पृष्ठ सं	कोष कदौती 05%	ोती के उपरान्त र क्रम सं० ह. सहायक/उप दिनांक	ाशि ए० व्यक्तिकारी	प्रकार कर्क प्राक्त प्रकार प प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रकार प्रक प्रक प्रक प्रक प्रक प्रक प्रक प्र	ह तह तह है। ह तह तह है। ह तह तह है। ह हों हिंदू हैं। ह ह हैं। ह ह संस्थित हैं। ह ह संस्थित हैं।	कुल योग हुन योग हुन के भुग हुन के भुग हुन के भुग हुन के नहें	गया तथा १ तान प्राप्त 1/- स. वे रसीदी टिव पर हस्ताक यदि राहि 5000/- अधिक हो	किय हे हर हर हो हो
i. i. राशि (.F. र्राा (ते की ते की ते की माणक कं सं.	शिक्षक कल्याण शब्दों में) श स्व जाती है। का पृष्ठ सं (अ.गो.)	कोष कदौती 05%	ौती के उपरान्त र क्रम सं० ह. सहायक/उप दिनांक लेखा	कुलसचिव (अ.ग् विभाग के प्रयोग कुल स	हितु हुई हुई हुई को निम्म प्रका को निम्म प्रका को निम्म प्रका को मुगतान र भुगतान ह को भुगतान	्रा का अवस्था विकास कर के कि इसी कि कि इसी कि के कि	कुल योग उचित पाया भुग राष्ट्रिक (परी	गया तथा १ तिान प्राप्त 1/- स. वे रसीदी टिव पर हस्ताह यदि राहि 5000/- अधिक हो सिक का ह	किय हे हर हर हो हो
i. i. tराशि (.F. रार्गि ते की ट पंजि हायक क सं. रंनांक नराशि	शिक्षक कल्याण शब्दों में) श्रे स्वव जाती है। का पृष्ठ सं (अ.गो.)	कोष कदौती 05% 1.025 हा 1.025 हा	है. सहायक/उप दिनांक लेखा	कुलसचिव (अ.ग् कुलसचिव (अ.ग् विमाग के प्रयोग कुल स् परीक्षव आयक T.W.F	हितु हुई हुई हुई को पुगतान स्रोग	पारिश्रमिक कि इसी कि के कि इसी कि के कि इसी कि के कि इसी कि के कि क	कुल योग उचित पाया ह्यु के भुग पारित किया	गया तथा १ तिान प्राप्त 1/- स. वे रसीदी टिक पर हस्ताथ यदि राशि 5000/- अधिक हो सिक का ह	किय हे हर हर हो हो
i. i. tराशि (.F. रार्गि ते की ट पंजि हायक क सं. रंनांक नराशि	शिक्षक कल्याण शब्दों में) श स्व जाती है। का पृष्ठ सं (अ.गो.)	कोष कदौती 05% कर्त	है. सहायक/उप दिनांक लेखा	कुलसचिव (अ.ग् कुलसचिव (अ.ग् विमाग के प्रयोग कुल स् परीक्षव आयक T.W.F	हितु हुई हुई हुई को पुगतान स्रोग	्रा का अवस्था विकास कर के कि इसी कि कि इसी कि के कि	कुल योग उचित पाया ह्यु के भुग पारित किया	गया तथा १ तिान प्राप्त 1/- स. वे रसीदी टिक पर हस्ताथ यदि राशि 5000/- अधिक हो सिक का ह	किय हे हर हर हिं